

उन्होंने अपना खेल खेलने की कोशिश की। उन्होंने बचाव किया, वे व्यवस्थित थे और उन्होंने जवाबी हमले करने की कोशिश की। मुझे लगता है कि उन्होंने अच्छा खेल खेला। - **कार्लो एंसेलोटी**

ब्राजील के मुख्य कोच, भारत के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



अनुराग ठाकुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर ने नई दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि एशियाई खेलों में महिला व्यक्तिगत गोल्फ स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स को एएम ग्रीन आईजीपीएल की ओर से एक करोड़ का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रणवी एशियाई खेलों में गोल्फ का व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। इसके अलावा महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला गेल्फ टीम की प्रणवी उर्स, अदिति अशोक और दीक्षा डागर को व्यक्तिगत रूप से 25-25 लाख दिए जाएंगे।

क्या आप जानते हैं ?... एशियन गेम्स 2026 (आइची-नागोया) में भारत ने 85 पदक जीते, जिसमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

एशियन खेल-2026 का समापन, परेड में नीरू ढांडा ने शान से लहराया तिरंगा

भारत 21 स्वर्ण समेत 85 पदकों के साथ चौथे स्थान पर

आइची-नागोया, 4 अक्टूबर। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से शुरू हुए एशियन गेम्स-2026 का रविवार को आधिकारिक रूप से समापन हो गया। नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित भव्य समापन समारोह में भारतीय दल की ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा रहीं। उन्होंने पूरे उत्साह के साथ हाथ में तिरंगा थामकर भारतीय दल का नेतृत्व किया।

समारोह की शुरुआत जापान के राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद एथलीटों की परेड शुरू हुई, जिसमें विभिन्न देशों के ध्वजवाहकों ने अपने-अपने दल का नेतृत्व किया। भारत की ओर से नीरू ढांडा ने तिरंगा थामा। वह भारतीय ध्वज लहराते हुए आगे बढ़ रही थीं और उनके साथ भारतीय दल भी अपने शानदार प्रदर्शन से उत्साहित दिखाई दिया। नीरू ढांडा ने इन एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत समेत कुल तीन पदक अपने नाम किए हैं।



दोहा करेगा 21वें एशियन गेम्स की मेजबानी एशियन गेम्स के 21वें संस्करण की मेजबानी कतर (दोहा) करेगा, जो साल 2030 में होगा। दोहा दूसरी बार एशियन गेम्स की मेजबानी करेगा। इससे पहले उसने 2006 में भी इन खेलों की मेजबानी की थी। समापन समारोह के दौरान ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया का झंडा दोहा के प्रतिनिधियों को सौंप दिया गया। समापन समारोह में हजारों खिलाड़ी, अधिकारी और दर्शक मौजूद रहे।

भारत 21 स्वर्ण समेत 85 पदकों के साथ चौथे स्थान पर भारत ने एशियन गेम्स-2026 में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य समेत कुल 85 पदक जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। भारत ने अपने अभियान का समापन पुरुष हॉकी में स्वर्ण पदक के साथ किया।

हालांकि, भारत का इस बार का प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियन गेम्स की तुलना में कम रहा। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 107 पदक (28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य) जीते थे। इस लिहाज से इस बार भारत के कुल पदक 22 और स्वर्ण पदक सात कम रहे।

पदक तालिका में चीन शीर्ष परएशियन गेम्स-2026 की पदक तालिका में चीन शीर्ष पर रहा। चीन ने 169 स्वर्ण, 89 रजत और 83 कांस्य समेत कुल 341 पदक जीते। जापान 83 स्वर्ण, 95 रजत और 91 कांस्य सहित कुल 269 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया ने 39 स्वर्ण, 43 रजत और 68 कांस्य सहित कुल 150 पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

अनाहत सिंह ने एशियाई खेलों के रजत पदक के बाद 2028 ओलंपिक पर साधी नजरें

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। अनाहत सिंह जानती थीं कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना 'बहुत यथार्थवादी' लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नजरें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर है। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्क्वाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की मलेशियाई खिलाड़ी सिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जातीं तो उन्हें



2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी। स्वदेश लौटने के बाद अनाहत ने कहा, "मैं निश्चित रूप से काफी निराश थी। दोबारा खुश होने या थोड़ा बेहतर महसूस करने में मुझे कुछ दिन लगे। फाइनल में हारना अच्छा नहीं लगता, विशेषकर तब जब आप किसी बड़े मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद खिताब के इतने करीब पहुंच जाते हैं।" उन्होंने कहा, "मैं सकारात्मक पहलुओं को देखने की कोशिश करूंगी और इसे इस रूप में देखूंगी कि मुझे अभी बहुत कुछ सीखना है। अगर मैं शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन कर सकती हूं तो इसमें मेरे लिए कई अच्छी बातें भी हैं।" अनाहत एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरी थीं लेकिन उन्हें पता था कि मजबूत खिलाड़ियों की मौजूदगी को देखते हुए यह आसान लक्ष्य नहीं था। उन्होंने कहा, "मेरा पहला लक्ष्य एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतना था।

आईसीसी विश्व कप 2027 की तैयारी : सीरीज से तय संयोजन के साथ खेलना चाहता हूं : गिल

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। चोटों और व्यस्त कार्यक्रम के कारण स्थायी एकादश नहीं उतार पाने से चिंतित भारतीय कप्तान शुभमन गिल चाहते हैं कि आगामी एकदिवसीय मुकाबलों में उन खिलाड़ियों को नियमित मौके दिए जाएं जिनके 2027 के आईसीसी विश्व कप में खेलने की संभावना है। भारत ने हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ समाप्त हुई तीन मैच की शृंखला में बड़े पैमाने पर दूसरे दर्जे के खिलाड़ियों को मौका दिया। भारत ने यह श्रृंखला 2-1 से जीती। हालांकि एशियाई खेलों में हिस्सा लेने गए जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे नियमित खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में भारतीय गेंदबाजी में अपेक्षित धार नहीं दिखी। इसके अलावा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी गुवाहाटी में दूसरे एकदिवसीय के दौरान चोटिल खिलाड़ियों



की बढ़ती सूची में शामिल हो गए।

गिल ने तीसरे एकदिवसीय में पांच विकेट की हार के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "ईमानदारी से कहूं तो प्रयोग करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। उम्मीद है कि हम जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं वे सभी खिलाड़ी अगली श्रृंखला से टीम में होंगे और हम विश्व कप में जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं उसी के साथ खेलना शुरू करना चाहते हैं।" आईसीसी के इस प्रमुख टूर्नामेंट से पहले सीमित संख्या में एकदिवसीय मुकाबलों को देखते हुए गिल को मुख्य गेंदबाजों की लगातार अनुपस्थिति निराशाजनक लगी।

उन्होंने कहा, "मैं कहूंगा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। चोटों और अन्य मुकाबलों के आसपास व्यस्त कार्यक्रम के कारण यह थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि हम उस गेंदबाजी क्रम के साथ नहीं खेल पाए जिसके साथ हम खेलना चाहते थे।" हालांकि गिल ने कहा कि इससे नए गेंदबाजों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका भी मिलता है। उन्होंने कहा, "सबसे पहले तो मुझे नहीं लगता कि जडेजा भाई को बाहर किया गया था। आगे हम चयनकर्ताओं के साथ चर्चा करेंगे। विश्व कप को ध्यान में रखते हुए जो टीम के लिए सही होगा और उन परिस्थितियों में जो खिलाड़ी अपने कौशल से टीम को अधिक योगदान दे सकता है, हम उसे टीम में रखेंगे।

गोल्ड मेडल जीतने के साथ जसप्रीत बुमराह ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। जापान में खेले गए एशियन गेम्स के फाइनल मुकाबले में मिली जीत ने जसप्रीत बुमराह को शीर्ष पर पहुंचा दिया। वे अपने पहले 100 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले प्लेयर बन गए। उन्होंने इस मामले में सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ा। जसप्रीत बुमराह ने अपने 100 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल 78 जीत दर्ज की जो पूरी दुनिया में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक है। इससे पहले विश्व के किसी भी क्रिकेटर ने अपने पहले 100 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 78 में जीत दर्ज नहीं की थी। बुमराह ऐसा करने पहले दुनिया के पहले क्रिकेटर बने हैं। बुमराह से पहले टॉप पर सूर्यकुमार यादव थे, जिन्होंने अपने पहले 100 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में से 77 मैच जीते थे। अब वे लिस्ट में दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

निडर होकर खेलें खिलाड़ी, खुद पर रखें भरोसा : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि टीम के खिलाड़ियों को बाहरी दबाव की चिंता किए बिना अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा करना चाहिए।

अय्यर ने कहा कि वह चाहते हैं कि खिलाड़ी निडर होकर खेलें और अपनी सोच या खेलने के तरीके को सीमित न करें। क्योंकि जब आप अपनी स्वाभाविक सोच को रोकते हैं, तो आपकी असली काबिलियत मैदान पर नहीं दिखती। इसलिए, मुझे लगता है कि बाहर से जो उम्मीदें हैं, उनसे कहीं ज्यादा हमें खुद पर भरोसा करना चाहिए। एक टीम के तौर पर आप जानते हैं कि टीम के अंदर क्या चल रहा है और खिलाड़ियों की सोच कैसी है इसलिए, अच्छे और बुरे हर समय में आपको एक-दूसरे का साथ देना होगा और यह पक्का करना होगा कि मुश्किल समय में हर कोई एक-दूसरे के साथ खड़ा रहे। अपनी बल्लेबाजी की रणनीति पर अय्यर ने कहा कि वह परिस्थिति के हिसाब से खेलना पसंद करते हैं। अगर वह पावरप्ले में बल्लेबाजी के लिए आते हैं



तो क्षेत्ररक्षण प्रतिबंधों का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि मुझे हालात के हिसाब से खेलना पसंद है। अगर मैं पावरप्ले में बल्लेबाजी करने जाता हूं, तो मैं पावरप्ले में मिलने वाली क्षेत्ररक्षण पाबंदियों का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। मैं मुश्किल समय में भी गेंदबाजों पर हावी होकर खेलना पसंद करता हूं, क्योंकि तभी आक्रामक खेल काम आता है। मेरी सोच शुरू से ही ऐसी रही है, जबसे मैंने रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलना शुरू किया था। एक बार जब मैं जम जाता हूं, तो मैं यह पक्का करने की कोशिश करता हूं कि मेरे बाद आने वाले बल्लेबाजों के लिए एक अच्छा मंच तैयार करूं।

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ अपनी बातचीत को लेकर अय्यर ने कहा कि वह उनसे सिर्फ क्रिकेट के बारे में बात नहीं करते। उन्होंने कहा कि मैं वैभव से मैदान के बाहर की चीजों के बारे में बात करते रहते हैं, क्योंकि हर कोई उससे क्रिकेट के बारे में ही बात करता है। हम जानते हैं कि एक इंसान के तौर पर वह कितना प्रतिभाशाली है। इसलिए, मैं उससे मैदान के बाहर की जिंदगी, परिवार और उसकी पसंद-नापसंद के बारे में बात करता हूं। ऐसी बातें करते हुए वह ज्यादा सहज महसूस करते हैं।

अय्यर ने आगे कहा कि वैभव बहुत शांत स्वभाव का है, लेकिन मैदान पर उसका अंदाज बेहद आक्रामक है। उन्होंने भरोसा जताया कि जब वैभव को भारतीय टीम में खेलने का पूरा मौका मिलेगा तो वह भारतीय क्रिकेट पर अपना प्रभाव छोड़ेगा। फिलहाल टीम में विश्व कप विजेता सलामी बल्लेबाज मौजूद हैं। वैभव अभी टीम के 15 सदस्यीय दल का हिस्सा है और सही समय आने पर वह जरूर अपनी छाप छोड़ेगा।

अंडर-23 चैम्पियनशिप के लिए दौसा की टीम घोषित

दौसा, 4 अक्टूबर। जिला क्रिकेट संघ दौसा ने 5 अक्टूबर से जयपुर में शुरू होने वाली अंडर-23 चैंपियनशिप के लिए जिले की 18 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान सचिन शर्मा को सौंपी गई है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि टीम का चयन सीनियर चयन समिति ने किया है। चयन में दौसा जिले के मूल निवासी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है।

दौसा की टीम - सचिन शर्मा (कप्तान), देवकृत शर्मा, विजय मीणा, नमन शर्मा, अमित सैनी, राम शर्मा, नवरत्न सैनी (विकेटकीपर), प्रांजुल शर्मा (विकेटकीपर), विजय सैनी, लीलाधर मीणा, विशाल सिंह, आशीष शर्मा, पृथ्वी नागरवाल, जतिन मेहरा, अभिमन्यु गौतम, कमलेश मीना, मोहित शर्मा और मोहित जैमन।

तीन दिन में तीन मुकाबले - दौसा का पहला मुकाबला5 अक्टूबर को करौली से होगा। इसके बाद 6 अक्टूबर को बाड़मेर और 7 अक्टूबर को बूंदी के खिलाफ टीम मैदान में उतरेगी। जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों रतन चंद शर्मा एडवोकेट, शिवचरण शर्मा एडवोकेट, हीरालाल सैन, शोभना गुर्जर और विनय जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने टीम को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

जयपुर में 70वीं राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग में राज्यभर से 700 खिलाड़ी पहुंचे



जयपुर, 4 अक्टूबर। राजधानी जयपुर में 70वीं राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का रविवार को भव्य आगाज हुआ। हरि ओम विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल के तत्वावधान में शिवा स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों से करीब700 प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन अवसर पर स्केटिंग ट्रैक पर खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना। विभिन्न आयु वर्गों के स्केटर्स ने गति, संतुलन, तकनीक और कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने जिलों का प्रतिनिधित्व किया। खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षकों और अभिभावकों में भी खासा उत्साह नजर आया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में वार्ड 11 के पार्षद शैलेन्द्र शर्मा, वार्ड 7 की पार्षद प्रत्याशीपूजा शैलेन्द्र शर्मा, डॉ.सरोज बेनीवाल, आरटीओ अधिकारी दिनेश, शिवा स्पोर्ट्स क्लब के संचालक पवन सैनी एवं नरेंद्र सैनी कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

300 से ज्यादा खिलाड़ियों ने दिखाया योगासन का हुनर

जयपुर, 4 अक्टूबर। 51वीं सब जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन रविवार को देशभर से आए 300 से अधिक खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार संतुलन, लचीलापन, एकाग्रता और शरीर नियंत्रण का प्रदर्शन कर निर्णायकों को प्रभावित किया। दूसरे दिनआर्टिस्टिक सोलो, आर्टिस्टिक पेयर और ट्रेडिशनल योगासनकी स्पर्धाएं आकर्षण का केंद्र रहीं। ट्रेडिशनल योगासन में 8-10, 10-12 और 12-14 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों के बीच बेहतर प्रदर्शन के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। योग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिवडॉ. अभिनव जोशीने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ी पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग ले रहे हैं।

24 जिलों के 325 खिलाड़ी भिड़े, जूनियर वुशू चैम्पियनशिप का आगाज

भीलवाड़ा, 4 अक्टूबर। राजस्थान वुशू संघ एवं भीलवाड़ा जिला वुशू संघ के तत्वावधान में सुखाड़िया स्टेडियम में 20वीं जूनियर राज्य स्तरीय (बालक-बालिका) वुशू प्रतियोगिता का रविवार को शुभारम्भ हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के 24 जिलों के 325 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 6 अक्टूबर तक चलेगी।

पहले दिन शांशौ वर्ग में मुकाबले - प्रतियोगिता के पहले दिन जूनियर बालक वर्ग के शांशौ मुकाबलों में 45 किलोग्राम वर्ग में अजमेर के मोहित ने बूंदी के हिमांशु को 2-0 से हराया। 48 किलोग्राम वर्ग में अजमेर के वीरेन्द्र ने सीकर के शुभम को 2-1 तथा पाली के



अफजल ने झालावाड़ के भावेश सिंह को 2-0 से शिकस्त दी। 52 किलोग्राम वर्ग में जयपुर के लक्षित चावरिया ने भीलवाड़ा-ए के सुरेश जाट को 2-0 से तथा बूंदी के हर्षित सेनी ने अजमेर के नमन जोशी को 1-0 से पराजित किया।

एआईएफएफ चुनाव : भारतीय फुटबॉल महासंघ के चुनाव 20 दिसंबर को होंगे

कोलकाता, 4 अक्टूबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को अपने बहुप्रतीक्षित चुनाव 20 दिसंबर को कराने का फैसला किया जिसके साथ ही नये पदाधिकारियों और कार्यकारी समिति के चुनाव को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता खत्म हो गई। राष्ट्रीय महासंघ की यहां हुई विशेष आमसभा बैठक (एसजीबीएम) में यह निर्णय लिया गया। बैठक में एआईएफएफ की कार्यकारी समिति के सदस्यों, संबद्ध राज्य संघों के प्रतिनिधियों के अलावा फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के अधिकारी भी मौजूद रहे। महासभा ने हरियाणा के पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त राजीव शर्मा को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया। वह चुनाव प्रक्रिया की निगरानी और उसके संचालन की जिम्मेदारी संभालेंगे। बैठक में यह भी तय किया गया कि एआईएफएफ के मौजूदा कार्यकारी समिति का कार्यकाल 30 दिसंबर तक या नयी निर्वाचित कार्यकारी समिति के पदभार संभालने तक जारी रहेगा।

ईरानी कप : शेष भारत ने जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया

श्रीनगर, 4 अक्टूबर। मुकेश कुमार (33 रन पर छह विकेट) और आकाश दीप (25 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की दम पर शेष भारत ने रविवार को चौथे और आखिरी दिन जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराकर ईरानी कप का खिताब जीत लिया। जीत के लिए 279 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही जम्मू-कश्मीर की टीम को ट्रॉफी अपने नाम करने के लिए केवल ड्रॉ की जरूरत थी। पहली पारी में 41 रन की बढ़त लेने वाली जम्मू कश्मीर की टीम मुकेश और आकाश दीप की धारदार गेंदबाजी के आगे दूसरी पारी में महज 111 रन पर ढेर हो गई।

अंडर-23 में भीलवाड़ा और भरतपुर की शानदार जीत

अपूर्व, सर्वज्ञ, जयवर्धन, शौर्यवर्धन, अंश और अव्यांश चमके



जयपुर, 4 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता में रविवार को भीलवाड़ा और भरतपुर ने शानदार जीत दर्ज की। भीलवाड़ा ने पाली को 170 रन से तथा भरतपुर ने अलवर को पांच विकेट से हराया।

भीलवाड़ा ने पाली को 170 रन से हराया

भीलवाड़ा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 327 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। सर्वज्ञ पानेरी ने 81, जयवर्धन सिंह गहलोत ने 62, शौर्यवर्धन सिंह ने 57, यथार्थ भिरानिया ने 46, अपूर्व शर्मा ने 34 और स्वयं सोमानी ने 28 रन बनाए। पाली की ओर से चंद्रपाल सिंह ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाली की टीम 157 रन पर ऑलआउट हो गई। मितेश जांगिड़ ने 46 और मोहित ने 38 रन बनाए। भीलवाड़ा के लिए अंश चतुर्वेदी ने चार विकेट और अपूर्व शर्मा ने तीन विकेट झटके।

भरतपुर ने अलवर को पांच विकेट से हराया

दूसरे मुकाबले में अलवर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 193 रन पर सिमट गई। शिवम ने 24, आकाश ने 23 तथा मानव और राहुल ने 22-22 रन बनाए। भरतपुर के अनुभव गहलोत और नमन पंघाल ने तीन-तीन, जबकि जगदम्बिका पाल ने दो विकेट लिए। भरतपुर ने पांच विकेट खोकर 199 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। अव्यांश सिंह ने नाबाद 54 रन की पारी खेली। गिरीश ने 45, अर्जुन ने 37, आर्यन ने 24 और नमन ने नाबाद 21 रन बनाए। अलवर के यश यादव ने दो विकेट लिए।

डीएसए ने एसएमआर को 191 रन से हराया



जयपुर, 4 अक्टूबर। 12 डीएसए कप क्रिकेट प्रतियोगिता में डीएसए क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एसएमआर क्रिकेट अकादमी को 191 रन से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीएसए क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 40 ओवर में 5 विकेट पर 261 रन बनाए। टीम की ओर सेसुमित शर्मा ने 70 तथा सोम सैनी ने 41 रनकी उपयोगी पारियां खेलीं। एसएमआर की ओर से कुशल शर्मा ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसएमआर क्रिकेट अकादमी की टीम डीएसए के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और17 ओवर में 70 रन पर ऑल आउट हो गई। डीएसए की ओर सेसोम सैनी ने 5 विकेट तथा लवेश जांगिड़ ने 2 विकेट झटके। शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिए सोम सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पूनिया बंधुओं ने दर्ज की आसान जीत, मुख्य ड्रॉ की ओर बढ़ाए कदम

जयपुर, 4 अक्टूबर। राजस्थान के जुड़वा भाई तपेष्वर और तेजेष्वर पूनिया ने ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए लड़कों के अंडर-17 युगल वर्ग में आसान जीत दर्ज की। सवाई मानसिंह स्टेडियम में चल रही प्रतियोगिता में पूनिया बंधुओं की जोड़ी ने हरियाणा के जागृत बुधवर और रितिक ढाका को सीधे गेमों में 15-10, 15-4 से हराकर मुख्य ड्रॉ की ओर कदम बढ़ाया।

अंडर-15 बालिका एकल के चौथे क्वालिफाइंग राउंड में राजस्थान की खुशी शर्मा ने तमिलनाडु की अवन्थिका को तीन गेमों तक चले मुकाबले में 11-15, 15-11, 15-8 से शिकस्त दी। अंडर-15 बालिका युगल में राजस्थान की काव्या चौधरी और मिराया फगेरिया ने गुजरात की दिति तेजस और वेदांशी शुक्ला को 15-9, 15-9 से हराया। वहीं राजस्थान की कियारा गोयल और पंजाब की समायरा अग्रवाल की जोड़ी ने दिल्ली की पविनी और काव्या सारस्वत को 15-7, 12-15, 21-20 से मात दी। राजस्थान के वर्धित और वर्षित की जोड़ी ने दिल्ली-तमिलनाडु की अर्पित बालियान और निर्वान की जोड़ी को 15-11, 15-4 से पराजित किया।



अंडर-17 बालक वर्ग में महाराष्ट्र के साइराज नायसे ने आंध्र प्रदेश के सूर्या रमत ऋत्विक को 15-7, 15-9 से हराया। इसके बाद युगल वर्ग में लुवांग के साथ जोड़ी बनाकर सुदेश और तिषविन की जोड़ी को 15-9, 15-11 से हराकर दोहरी सफलता हासिल की। हालांकि, **अंडर-15 बालिका एकल** में राजस्थान की मिराया फगेरिया को आंध्र प्रदेश की कीयाकोसा राजू के हाथों 15-11, 9-15, 10-15 से हार का सामना करना पड़ा। **अंडर-15 बालक एकल** में राजस्थान के लक्ष्यराज सिंह नाथावत को महाराष्ट्र के प्रथम विशाल ने 15-17, 15-9, 3-15 से हराया। अंडर-17 के चौथे राउंड में तमिलनाडु के लक्ष्मण आरके ने राजस्थान के मानस परवाल को 15-13, 15-9 से शिकस्त दी।

अंडर-15 बालिका युगल के दूसरे राउंड में आंध्र प्रदेश की दीया और मानविष्टा की जोड़ी ने राजस्थान की आरवी सैनी और स्वराज तकसाली को 15-7, 15-4 से हराया। वहीं अंडर-15 बालक युगल में महाराष्ट्र-गुजरात की प्रथम और विवान की जोड़ी ने राजस्थान के प्रणव मुलचंदानी और लक्ष्यराज सिंह को 15-2, 19-17 से पराजित कर बाहर कर दिया। सोमवार को करीब 120 मुकाबले खेले जाएंगे।इसके साथ ही क्वालिफाइंग राउंड का समापन होगा। क्वालिफाइंग में सफल रहने वाले खिलाड़ी 6 अक्टूबर से शुरू होने वाले मुख्य ड्रॉ में जगह बनाएंगे।

श्रीलंकाई टीम का ऐलान, असलंका बाहर

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी वनडे ट्राई-सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा रविवार को कर दी है। इस सीरीज में मेजबान पाकिस्तान और श्रीलंका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी हिस्सा लेगी। सीरीज की शुरुआत 18 अक्टूबर से होगी। श्रीलंका की टीम में दो बदलाव किए गए हैं। पूर्व कप्तान चरिथ असलंका को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा भी चोट के कारण टीम का हिस्सा नहीं हैं। इन दोनों की जगह बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो और ऑलराउंडर सहान अराचिगे को टीम में शामिल किया गया है। असंलका ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने तीन मैचों में क्रमशः 1, 11 और 7 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड दौरे के दौरान हसरंगा चोटिल हो गए थे।